नपा अध्यक्ष से सांठगाठ कर हड़प रहा सरकारी भूमि

कलेक्टर से नागरिकों ने की शिकायत, खोल दी पोल

नगरपालिका अध्यक्ष व एक भू माफिया की जुगलबंदी ने सोहागपुर स्थित पोनांग तालाब के आसपास की करोड़ों रुपए मूल्य की भूमि का अतिक्रमण किया जा रहा है। इस संबंध में गत दिवस सोहागपुर के लोगों ने कलेक्टर का ध्यान आकृष्ट करा उनसे कार्रवाई की मांग की है।

शहडोल।

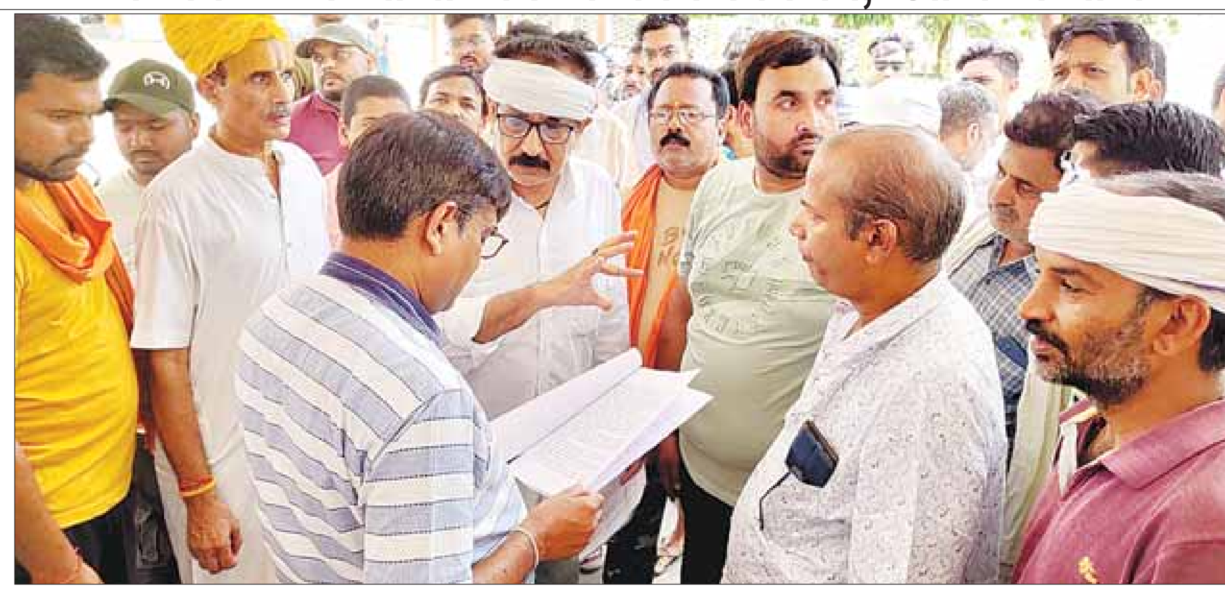

ज्ञातव्य है कि यह माफिया इस जमीन को वर्षों से हड़पने का प्रयास कर रहा है और इसके लिए उसने श्मशान घाट भी बनाने का प्रयास किया लेकिन तत्कालीन कलेक्टरों की तत्परता से वह ऐसा करने में कभी सफल नहीं हुआ। इन दिनो वह नपा अध्यक्ष को अपना साझीदार बनाकर अपनी कारस्तानी को अंजाम देने का प्रयास कर रहा है। जिसकी लोगों ने पोल खोल दी है। नगरपालिका अध्यक्ष से जनमानस जहां लोकोन्मुखी कार्यशैली की उम्मीद करता है वहां अध्यक्ष का ऐसे कृत्य में भागीदारी निभाना समझ के परे है।

वर्षों से कर रहा अतिक्रमण का प्रयास

जमीन हड़पने का काम वर्ष 1999 से चल रहा है। उस समय भू माफिया द्वारा रजाए मुस्तफा कमेटी संचालित करता रहा। उसके द्वारा पोनांग तालाब के पश्चिम दिशा की ओर मछली विभाग की भूमि और रीवा रोड के किनारे की भूमि पर रातोरात 3-4 तख्तियां गाड़ दी गईं थीं। रीवा रोड स्थित पोनांग तालाब की आवाजाही को बंद करने का कुप्रयास किया गया। लेकिन तत्कालीन कलेक्टर पंकज अग्रवाल ने त्वरित कदम उठाते हुए मंदिर मार्ग के दोनो ओर कटीले तार गड़वाकर अतिक्रमण को रोक दिया गया। नगरपालिका को मौखिक रूप से आदेश दिया गया कि वह देखरेख करे। इसके बाद वर्ष 2014-15 में जब भूमाफिया की मौत हुई तब कुछ लोगों ने उसी भूमि को कब्रगाह के रूप में उपयोग करना चाहा। लेकिन तत्कालीन कलेक्टर मुकेश शुक्ला ने कठोर कार्रवाई कर इस प्रयास को भी विफल कर दिया गया।

घेरेबंदी और विकास का बजट

वर्ष 2015-16 में तत्कालीन प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ला के द्वारा पोनांग के 4 तालाबों का निरीक्षण कर जनभावनाओं को देखते हुए गढ़ी आने जाने वाले रोड के किनारे एक सामुदायिक भवन एवं तालाबों की मेढ़ों पर भ्रमण पाथ तथा वृक्षारोपण और सुरक्षा के लिए कटीले तार लगवाने हेतु खनिज मद से दो करोड़ रुपए स्वीकृत किए और कलेक्टर शहडोल को निर्माण एजेंसी बनाया गया था। राशि तो स्वीकृत हुई और काम भी शुरू हुआ, लेकिन काम धीमी गति से चला और प्रभारी मंत्री की मंशा के अनुरूप कार्य नहीं हो सका। जिस कारण जमीन लोगों की नजर में गड़ी रह गई।

नपा से सांठगाठ कर कब्जा

बताया गया कि माफिया को वर्षों तक मौका नहीं मिला लेकिन सोहागपुर निवासी घनश्याम जयसवाल के नगरपालिका अध्यक्ष बनते ही माफिया का हित सर्वोपरि हो गया और तालाब के उत्तरी किनारे में बाउण्ड्रीवाल का निर्माण प्रारंभ कर दिया गया। साथ ही करोड़ों रुपए की शासकीय भूमि को छोड़ते हुए तालाब के भराव की ओर सटा कर बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कराया गया। बताते हैं कि माफिया द्वारा वक्फ बोर्ड का आवेदन लगाकर तीन एकड़ भूमि का वक्फ बोर्ड का फैसला रखे हुए है। जिस पर हाईकोर्ट का स्थगन लगा हुआ है जो आज भी प्रचलित है। नगरपालिका को अंधेरे में रखकर अथवा साठगांठ कर कब्जा किया जा रहा हैं। सोहागपुर से मुडन्ना नदी तक पहुंचने के लिए एक प्रचीन मार्ग था लेकिन इस मार्ग को अवरुद्ध कर दिया गया।

शिकायतकर्ताओं की मांग

नागरिकों ने कलेक्टर से आग्रह किया है कि पोनांग तालाब सहित तीन अन्य तालाबों में नगरपालिका द्वारा मनमाने ढंग से तथा माफिया के हित में निर्मित कराई जा रही बाउण्ड्रीवाल को तत्काल रोका जाए और कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। पोनांग तालाब एक धार्मिक स्थल है और पुरातत्व विभाग की कई प्राचीन प्रतिमाएं यहां संग्रहित हैं। शिकायतकर्ताओं में बाल्मीक गौतम, अन्नू त्रिपाठी, बिपिन, अभिषेक, धीरू मिश्रा, दिनेश गुप्ता, जवाहर कोल, संतोष रावत पार्षद वार्ड नंबर 6, चांदनी कोल पार्षद वार्ड नंबर 2, दिनेश आदि सहित काफी संख्या में लोग शामिल रहे।

खबर संक्षेप

बोरवेल उत्खनन पर प्रतिबंध हटाने सौंपा ज्ञापन

शहडोल। 15 जून के बाद बोरवेल प्रतिबंध हट जाता है, किन्तु अभी भी प्रतिबंध हटाने का आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई और प्रतिबंध की अनुमति मिलना भी बंद हो गया है, जिससे आम आदमी किसान पानी के लिए परेशान है, जिससे आम आदमी किसान पानी के लिए परेशान है व बोरवेल करने वाले मजदूरों की आमदनी का साधन भी बंद हो गया है, जिससे बोलवेल करने वाले मजदूर भी काफी परेशान हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि किसानों व मजदूरों की समस्या को ध्यान में रखते हुए आधिकारिक रूप से समस्या का निराकरण किया जाये।

पंचशील नर्सिंग कॉलेज के छात्रों ने सौंपा ज्ञापन

शहडोल। पंचशील नर्सिंग कॉलेज के छात्रों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा है, छात्रों ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि कॉलेज को सरकार के द्वारा अपात्र किया गया है, इस कारण परेशानी हो रही है, छात्रों ने बताया कि प्रवेश 2022 में लिया था और 2024 में इस कॉलेज को अपात्र किया गया, हमें दूसरे संस्थान में प्रवेश दिलवाये, छात्रों ने कहा कि 2 साल बीते है, उसे पूर्ण कराने के लिए किसी और संस्था में प्रवेश दिलवायें, कुछ छात्र पढ़ाई करना चाहते हैं तो, उन्हें अलग संस्था में प्रवेश दिलवाये और कुछ लोग पढ़ाई नहीं करना चाहते तो, उन्हें उनका जमा किया गया पैसा और दस्तावेज कॉलेज से दिलवाया जाये। छात्रों ने चेतावनी देते हुए कहा कि 10 दिन के अंदर अगर सुनवाई नहीं हुई तो, 10 दिन के बाद कलेक्टर कार्यालय के सामने हड़ताल करेंगे।

ट्रांसफार्मर लगाए जाने कलेक्टर को सौंपा पत्र

मानपुर। नगर परिषद मानपुर के वार्ड नंबर 05 कॉलेज रोड के किसानों व रहवासियों ने कलेक्टर को आवेदन देकर ट्रांसफॉर्मर लगाए जाने की मांग की है, पत्र के माध्यम से भी रहवासियों ने बताया की इस भीषण गर्मी में भी वह बिजली पानी से वंचित है, महाविद्यालय बनने के बाद ही इस जगह पर 3 साल पहले ही 11 हजार वोल्ट की तार के माध्यम से बिजली पहुंची है, लेकिन विभाग द्वारा मेन ब्योहारी रोड से महाविद्यालय तक ही बिजली पहुंचा दिया गया , जबकि इस एरिया में सैकड़ों किसान खेती कर अपना जीवन यापन करते है, ट्रांसफॉर्मर लग जाने से सीधे कई किसानों के खेती के रकबे बढ़ जाएगी और सैकड़ों एकड़ जमीन जो खाली रहती है, उसमें भी बिजली और ट्यूबवेल के माध्यम से खेती होने लगे और आम जनमानस तक भैतिक सुख-सुविधाओं का लाभ पहुंच सके।

एक्सिस बैंक शहडोल द्वारा चलाया गया स्वच्छता अभियान

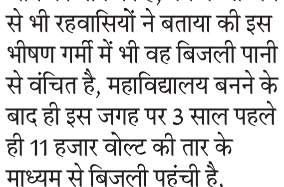

उमरिया। एक्सिस बैंक द्वारा वन विभाग कार्यालय बांधवगढ़ में स्वच्छता अभियान चलाया गया। एक्सिस बैंक के अवर लैंड अवर फ्यूचर विजन को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अभियान के तहत जल संरक्षण, पौध रोपण, जल संवर्धन एवं स्चछता के कार्यक्रम संचालित कर पर्यावरण बचाकर धरती को सुरक्षित करने का संकल्प लिया गया। एक्सिस बैंक के इस अभियान को सफल बनाने में वन परिक्षेत्र अधिकारी पुष्पा सिंह एवं स्टाफ का सहयोग रहा। इस अवसर पर शहडोल शाखा प्रबंधक विवेक बिरथरे, बुढ़ार शाखा प्रबंधक देवेश गुप्ता, आशीष तिवारी, आकाश तिवारी सहित सैकड़ों की संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित रहे ।

अवैध उत्खनन होने पर तहसीलदार पर होगी कार्यवाही: कमिश्नर

जल गंगा संवर्धन अभियान में जनमानस की भागीदारी सुनिश्चित कराएं: कमिश्नर

शहडोल। कमिश्नर बी.एस.जामोद ने निर्देश दिए हैं कि खनिज और रेत के उत्खनन पर सख्ती से रोक लगाएं। कमिश्नर ने कहा है कि जिस क्षेत्र में खनिज और रेत का अवैध उत्खनन होगा उस क्षेत्र के तहसीलदारों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही होगी। कमिश्नर ने संभाग के सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे वर्षा पूर्व नगरीय क्षेत्रों में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र को चिन्हित करें तथा बाढ़ की स्थिति में लोगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

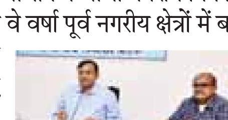

कमिश्नर ने यह भी निर्देश दिए हैं कि प्रदेश शासन द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान एवं पौधरोपण कार्यक्रम में जनमानस की भागीदारी सुनिश्चित करें तथा जनमानस के साथ मिलकर जल संरचनाओं की साफ-सफाई एवं पौधरोपण का कार्य करना सुनिश्चित कराएं। कमिश्नर बीएस जामोद ने उक्त निर्देश मंगलवार को समयावधि पत्रों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि हम सब को मिलकर जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य प्राथमिकता के साथ करना होगा। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि वर्षा काल में पौधरोपण के लिए कार्य योजना बनाएं और इस कार्य योजना के अंतर्गत शहडोल संभाग में वृहद स्तर पर पौधरोपण कराएं। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि वर्षाकाल में वर्षा के जल को रोकना हम सभी की जवाबदेही है। उन्होंने कहा कि वर्षा काल में जल संरक्षण और पौधरोपण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। वर्षा के जल को रोकने का प्रयास करें यह हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में कमिश्नर ने 21 जून को होने वाली योग दिवस की तैयारियों को भी समीक्षा की। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश, उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती ऊषा सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

वर्षों से बिना बिजली रहने को मजबूर रजबांध के लोग

संभागीय मुख्यालय के वार्ड में नहीं बिछी पाईप लाईन

शहडोल।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन की उपस्थिति में मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित हुई। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन ने जिले के दूर-दराज के क्षेत्रों से आए हुए लोगों की शिकायतें एवं समास्याएं सुनी, तथा निराकरण के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में जिले के नगर परिषद बकहो निवासी श्रीमती रंजना राय ने आवेदन देते हुए बताया कि मेरे पति का देहांत हो गया है एवं मेरे दो छोटे बच्चे भी हैं, मैं भूमि हीन भी हूं जीविका चलाने के लिए मजदूरी करती हूं, जिस कारण मैं अपने बच्चों का पालन पोषण ठीक तरह से नहीं कर पा रही हूं। उनका कहना था कि उनका गरीबी रेखा में नाम जोडक़र गरीबी रेखा कार्ड बनवा दिया जाए, जिससे उन्हें अपने बच्चों का पालन पोषण ठीक तरह से करने में सहायता मिल सकें। मामले की सुनवाई करते हुए सीईओ जिला पंचायत ने संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर आवेदन प्रेषित करते हुए तत्काल उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

10 वर्षो से बिना बिजली रह रहे

जिले के जनपद पंचायत बुढार के ग्राम रजबांध पोस्ट जामगांव निवासी राजेश सिंह, पूरनलाल, संतोष चौधरी, दीपक चौधरी, मुन्ना यादव सहित अन्य ग्राम वासियों ने संयुक्त रूप से आवेदन देते हुए कहा कि हमारे गांव रजबांध पोस्ट जामगांव में बिजली की सुविधा नहीं है हम सभी ग्रामवासी लगभग 10 वर्षों से बिना बिजली के यहां रह रहे हैं। जिस कारण हमें कई सारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। समस्त ग्राम वासियों का कहना था कि ग्राम रजबांध पोस्ट जामगांव में बिजली की सुविधा प्रदान की जाए, जिससे उनका जीवन आसान हो सके। जिस पर सीईओ जिला पंचायत में विद्युत विभाग के अधिकारियों की ओर आवेदन प्रेषित करते हुए निर्देश दिए की मौके पर जाकर जांच कर उचित कार्यवाही करें।

400 मीटर दूर नहीं बिछी पाईप लाईन

शहडोल नगर के वार्ड नंबर 22/ 29 सिंहपुर रोड बिजली ऑफिस के आगे शहडोल निवासी अशोक यादव, कौशल प्रसाद शर्मा, दिनेश कुमार पांडे सहित समस्त वार्ड वासियों ने संयुक्त रूप से आवेदन देते हुए बताया कि हमारे मोहल्ले में पानी टंकी बनी हुई है, जिससे पानी का सप्लाई प्रतिदिन हो रहा है। उन्होंने बताया कि पानी टंकी से हमारे मोहल्ले की दूरी लगभग 400 मीटर है तथा हमारे मोहल्ले तक पाइपलाइन नहीं होने के कारण हम लोगों को पानी की सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है। समस्त वार्ड वासियों का कहना था कि पानी टंकी से उनके मोहल्ले तक लगभग 400 मीटर का पाइप डलवा कर नल कनेक्शन प्रदान किया जाए, जिससे आसानी से पानी उपलब्ध हो सके। जिस पर मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन ने संबंधित विभाग की ओर आवेदन आवेदन प्रेषित करते हुए कहा कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करें।

कक्षा सातवीं और आठवीं के छात्र नहीं पढ़ सके हिंदी की किताब

3 शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापक को निलंबित करने के दिए निर्देश

शहडोल।

कमिश्नर बी.एस. जामोद ने शहडोल जिले के सोहागपुर विकासखंड के माध्यमिक शाला पचगांव का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने स्कूल में पदस्थ अमले के संबंध में प्रधानाध्यापक से जानकारी ली। प्रधानाध्यापक ने बताया कि शासकीय माध्यमिक शाला पचगांव में 9 शिक्षक एवं एक भृत्य पदस्थ हैं। जिनमें से 3 शिक्षक मनमाने तौर पर बगैर सूचना दिए अनुपस्थित हैं। कमिश्नर ने शिक्षकों के मनमाने तौर पर अनुपस्थिति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा निर्देश दिए की स्कूल से मनमाने तौर पर अनुपस्थित शिक्षक श्रीमती सरिता द्विवेदी, श्रीमती कामना श्रीवास्तव, सुग्रीव मिश्रा को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश मौके पर उपस्थित सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग आनंदराय सिन्हा को दिए।

प्रधानाध्यापक की तय की जवाबदेही

कमिश्नर ने कक्षा छठवीं एवं सातवीं के छात्रों से किताब पढ़ाई। कक्षा छठवीं एवं सातवीं के विद्यार्थी सही ढंग से किताब भी नहीं पढ़ पाए जिस पर कमिश्नर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। शासकीय माध्यमिक शाला पचगांव के बच्चों की पढ़ाई का स्तर काफी कम होने एवं शिक्षकों पर कड़ी निगरानी नहीं रखने पर प्रधानाध्यापक की जवाबदेही तय करते हुए प्रधानाध्यापक शासकीय माध्यमिक शाला पचगांव बैजनाथ प्रजापति को भी निलंबित करने के निर्देश सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग आनंद राय सिन्हा को दिए।

नाराज हुए आयुक्त

कमिश्नर ने छात्रों से चर्चा की, चर्चा के दौरान कमिश्नर ने छात्रों से देश का नाम, देश की राजधानी, देश के प्रधानमंत्री, प्रदेश के मुख्यमंत्री के बारे में भी पूछा जिस पर काफी कम बच्चों ने ही सही दिए। इस दौरान कमिश्नर ने उपस्थित छात्रों से प्रवेश उत्सव के समय अभिभावकों की उपस्थिति की भी जानकारी ली। जिस पर छात्रों ने बताया कि स्कूल में किसी भी छात्र-छात्राओं के अभिभावक नहीं आए थे। जिस पर कमिश्नर ने शिक्षकों से वस्तुस्थिति की जानकारी ली तथा अभिभावकों को प्रवेश उत्सव के दिन नहीं आमंत्रित करने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की।

आरआई-पटवारी सीमांकन के लिए मांग रहे रिश्वत

शिकायत करने के बाद भी नहीं हो रही कार्रवाई

मानपुर। जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत रोहनिया से लगे (छटन टोला) निवासी तीरथ प्रसाद द्विवेदी पिता स्वर्गीय गोविंद प्रसाद द्विवेदी ने अनुविभागीय अधिकारी अनुभाग मानपुर को नक्शा तरमीन व सीमांकन करने के लिए 31 मई को आवेदन पत्र दिया गया था, जिसका आरजी खसरा

नंबर 94 रकवा क्रमशः 1.429 हेक्टेयर भूमि का नायब तहसीलदार द्वारा दलगठित 20 मई सीमांकन करने के निर्देश दिये थे, लेकिन उक्त भूमि का नक्सा-तरमीम आज तक नहीं किया गया है।

मुखिया से शिकायत बेअसर - शिकायत पत्र में उल्लेख किया गया है कि आवेदक आरजी खसरा नंबर 94/1, 94/2, 94/3 रकवा क्रमांक 0.151,0.564,0.149 एवं आराजी खसरा नमबर 94/4 रकवा 0.564 हेक्टेयर स्थित ग्राम छटन टोला पटवारी हल्का नंबर रोहनिया तहसील मानपुर का भूमि स्वामी मालिक पट्टेदार दर्ज रिकार्ड हैं, आवेदक द्वारा उक्त आराजियों के सीमांकन के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया, जिस पर हल्का पटवारी एवं आरआई द्वारा सीमांकन किया गया था।

महिलाओं को सशक्त बनाने रूचि के अनुसार दिलाएं कार्यः कलेक्टर

कलेक्टर ने आजीविका मिशन के कार्यों की समीक्षा की

शहडोल।

कलेक्टर तरूण भटनागर ने आजीविका मिशन द्वारा महिलाओं को स्वावंलबी बनाने हेतु किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिलाओं को हर क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए उनके रूचि के अनुसार कार्य दिलाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि महिलाओं को जैसे नीम का पाउडर बनाने, सब्जी उत्पादन, कृषि के कार्यां में रूचि लेने वाली महिलाओं को कृषि के कार्य, बिस्कुट बनाने, दलिया बनाने जैसे अन्य कार्यों को प्राथमिकता के साथ दिलाया जाए जिससे महिलाए हर क्षेत्र में सशक्त बने और मजबूत समाज का निर्माण कर सकें। कलेक्टर ने आजीविका मिशन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आजीविका मिशन के अंतर्गत जो महिलाएं जुड़ी हुई है उन्हें वर्षाकाल में पौधारोपण के कार्य का दायित्व भी सौंपे, जिससे पर्यावरण के प्रति भी सजग रहें और पर्यावरण के क्षेत्र में भी अपनी महती भूमिका अदा कर सकें। कलेक्टर ने कहा कि इच्छुक स्व सहायता समूह की महिलाओं को नगरपालिका द्वारा प्रदाय किये जा रहे दुकानों के संचालन का कार्य भी महिलाओं को प्रदान किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि महिलाओं के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के साथ दिलाया जाए जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर हो सकें।

समीक्षा के दौरान कृषि सखी श्रीमती ममता बरगाही ने कलेक्टर को बताया कि स्व सहायता समूह से जुडक़र कृषि सीआरपी का प्रशिक्षण प्राप्त कर प्राकृतिक खेती का कार्य कर रही हूं। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत संचालित स्व सहायता समूह से जुडक़र ने कृषि सखी का प्रशिक्षण प्राप्त किया और अब मै स्वयं प्राकृतिक खेती करती हूं साथ ही अपने गांव में 145 महिलाओं को भी प्राकृतिक तरीके से खेती करवा रही हूं। गौरतलब है कि मंगलवार को वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शहडोल जिले की आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र ग्राम कोलुहा निवासी श्रीमती ममता सिंह बरगाही को कृषि के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने पर कृषि सखी के रूप में प्रमाण-पत्र प्रदान किया।

खबर संक्षेप

नहीं रहे पंचराम माली, हृदय गति रुकने से हुआ निधन

जमुना/बदरा। एसईसीएल के जमुना कोतमा क्षेत्र के अंतर्गत संचालित आमाडाड खुली खदान परियोजना में फिटर के पद पर कार्यरत पंचराम माली उम्र 49 वर्ष निवासी पीली दवाई भालू माडा जो की आमडाड में फिटर के पद पर कार्य रखते थे और वह भारतीय मजदूर संघ बीएमसी के क्षेत्रीय संगठन मंत्री भी थे। पंचराम माली एक मिलनसार ईमानदार और सभी वर्गों में अच्छी खासी पकड़ रखने वाले व्यक्ति थे प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 जून की रात को वह अपने घर में खाना खाकर सोए तो वह फिर उठे ही नहीं और सुबह जब परिजनों को पता चला तो परिजन उन्हें अस्पताल ले गए जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पंचराम माली के निधन पर क्षेत्र में शोक की लहर है और किसी को भरोसा ही नहीं हो रहा कि हमेशा हंसते और सबके बीच में मिलकर रहने वाले सामाजिक कार्यकर्ता पंचराम माली का निधन हो गया है। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है

खरेहटा गांव में भसुआ रेत से बनाया जा रहा पुल

ढीमरखेड़ा । जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत जिर्री का आश्रित ग्राम खरेहटा मुख्यमार्ग से 5 किलोमीटर दूर शाहडार के जंगलों के बीच स्थित है। गांव तक पहुंचने के लिए कच्ची सड़क ही है जहां पर विभाग के द्वारा पुल का निर्माण लाखों रुपए की लागत से किया जा रहा है लेकिन मजे की बात यह है कि लाखों रुपए की लागत से बनने वाले पुल पर भसुआ रेत लगाई जा रही है जिससे पुल की गुणवत्ता दरकिनार है। ठेकेदार के उक्त कृत्यों को संरक्षण मिला हुआ है। लिहाजा ठेकेदार नियमों को ताक पर रखकर पुल का निर्माण करवा रहा है। उल्लेखनीय है कि ग्रामीणों के द्वारा कलेक्टर अवि प्रसाद से आदिवासी ग्राम के विकास और पुल निर्माण की जांच करवाने की मांग की हैं। शिकायत में बताया गया कि ठेकेदार द्वारा मनमाने तरीके से कार्य करवाया जा रहा है। पुल की ऊंचाई भी कम कर दी गई है जिससे बारिश के दिनों में पहली ही बारिश में पुल बहने की कगार में है। कुछ समय पूर्व समाचार प्रकाशन के बाद कार्यपालन यंत्री जी. एस. खटीक के द्वारा एसडीओ को निर्माण कार्य में सुधार और गुणवत्तापूर्ण कार्य कराये जाने के निर्देश दिये गये थे, बावजूद इसके पुल निर्माण में ठेकेदार के द्वारा भसुआ रेत व घटिया मटेरियल का उपयोग किया जा रहा है।

भगवान विष्णु वराह मंदिर से संबंधित होंगे प्रश्न

कटनी। कलेक्टर अवि प्रसाद की पहल पर प्रारंभ की गई ''कटनी को जानो ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता'' के तहत मंगलवार 18 जून को कारीतलाई के राष्ट्रीय स्मारक व ऐतिहासिक तौर पर प्रसिद्ध स्थल भगवान विष्णु वराह मंदिर से संबंधित सवाल पूछे जाएगें। जिसका जवाब प्रतिभागी 18 जून मंगलवार की रात 12 बजे तक दे सकेंगे। इसके लिए जिला प्रशासन की शासकीय वेबसाइट में उपलब्ध लिंक जाकर लघु वीडियो फिल्म देखी जा सकती है। क्विज़ के सवालों को भी 18 जून को रात 12 बजे तक ज़िला प्रशासन की वेबसाइट देखा जा सकेगा। ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता के सवाल इसी लघु वीडियो फिल्म पर आधारित होंगे। जिसमें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के राष्ट्रीय महत्व के स्मारक विष्णु वराह कारीतलाई के भगवान विष्णु के पांचवी सदी के स्थापित अद्भुत मंदिर, सहित विंध्य पर्वत माला मे बसे इस ग्राम मे कल्चुरी शासकों के कला केंद्र की जानकारी सहित देश विदेश की शोभा बने यहां के पुरावशेष एवं यहां पर स्थापित भगवान गणेश, भगवान विष्णु वराह एवं शिव पार्वती की प्रतिमाओं संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की जायेगी।

दूषित जल का खुला व्यापार, रेलवे अधिकारी बेफिक्र, नहीं करते कोई कार्रवाई

लूट खसोट का अड्डा बनी रेलवे कैंटीन, नहीं होती जांच

शहडोल। भीषण गर्मी के इस मौसम में रेलवे की अव्यवस्थाओं से लोगों की आवाजाही कितनी त्रासद होती होगी यह तो कोई मुसाफिर से ही पूछे। एक ओर रेल्वे ने कई ट्रेने रद्द कर यात्री सुविधाओं को सीमित कर दिया है और दूसरी ओर कई ट्रेने भी घंटो लेट चल रहीं हैं। मुसाफिरों से हर ट्रेन ठसाठस भरी रहती है। यही नहीं स्टेशनों में स्वच्छ शीतल पेयजल की कहीं व्यवस्था नहीं रहती है। रेलवे कंटीनों में तो जैसे लूट मची हुई है, कोई जांच पड़ताल करने वाला नहीं। पानी का व्यवसाय शायद सबसे ज्यादा यहां मुनाफे का धंधा बना हुआ है। गंदे स्थानों से बोतले बीन कर उसमें पानी भर कर 20 रुपए, 30 रुपए में बेचा जा रहा है। बोतलों की सील तक चेक करने वाला कोई नहीं। प्यासा मरता मुसाफिर मजबूरन उन्ही बोतलों को खरीद रहा है।

गायब हैं शीतल पेयजल व्यवस्था

अव्यवस्थाओं के मामले में संभाग का उमरिया स्टेशन सबसे आगे है। यहां शीतल पेयजल के सारे नल बंद रहते हैं। जो सामान्य नल चलते हैं वे दोपहर के समय किसी उपयोग के नहीं रहते हैं। उनका पानी दोपहर के समय मानो खौलता रहता है। पानी इतना गर्म रहता है कि मुसाफिर उसे अपने चुल्लू में भी नहीं ले पाता है फिर वह उसे पी कैसे सकता है। हर स्टेशन में रेलवे ने मुसाफिर के लिए शीतल पेयजल की व्यवस्था की है लेकिन यहां के शीतल पेयजल देने वाले नल एक अर्से से बंद पड़े हैं। रेल अधिकारियों को इसकी कोई परवाह नहीं है। उन्हे तो शायद जानकारी भी नहीं रहती है। कुछ लोगों ने आरोप भी लगाया कि कंटीन का धंधा चलवाने के

लिए जानबूझ कर नल बिगाड़ दिए जाते हैं।

अधाधुंध वसूली कर रहे

उमरिया समेत कई स्टेशनों में संचालित कंटीनों का हाल यह है कि यहां पानी का सबसे अधिक अवैध व्यापार किया जा रहा है। इधर उधर से खाली बोतलें बीन कर उसमें सादा पानी भर कर फिर उसे ही बेच दिया जाता है। नियमतः विक्री की जाने वाली पानी की हर बोतल सील बंद होनी चाहिए और उसमें स्वच्छ पानी होना चाहिए। चील्ड वाटर के नाम से बिकने वाली बोतल के दाम निर्धारित दरों से काफी अधिक वसूले जा रहे हैं। कंटीन में शीतल पेय, फ्रूटी, माजा, आदि के दाम 5 रुपए 10 रुपए अधिक बढ़ाकर बेचे जा रहे हैं। उसमें भी उनके क्वालिटी की कोई गारंटी नहीं उसके भीतर का माल सड़ा भी हो सकता है।

नहीं होती जांच पड़ताल

संभाग के किसी स्टेशन की कंटीन में रखे सामानों का औचक निरीक्षण नहीं किया जाता है। अगर समय समय पर दविश पड़े और सामानों की जांच पड़ताल हो तो कंटीनों में रखे आधे सामान घटिया और एक्सपायरी पाए जाएंगे। इसके लिए कंटीन संचालक को कड़ा दण्ड भी दिया जा सकता है। समय समय पर कंटीनों की जांच पड़ताल किए जाने का नियम है लेकिन सब कोरम पूरा कर लिया जाता है। स्टेशन के अधिकारी व पुलिस कर्मचारी सब मिलीभगत से अपनी जेबें भर रहे हैं। किसी को मुसाफिर के जीवन और उसके स्वास्थ्य से लेना देना नहीं है। इस तरह मुसाफिरों का जमकर शोषण हो रहा है।

कमिश्नर ने दो शिक्षकों को निलंबित करने और प्राचार्य को नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

शाला परिसर में गंदगी देखकर नाराज हुए आयुक्त

शहडोल। कमिश्नर बी.एस. जामोद ने उमरिया जिले में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के तहत उमरिया जिले के विभिन्न शालाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने शालाओं में नव प्रवेशित बच्चों का फूल मालाएं पहनाकर और तिलक लगाकर बच्चों का स्वागत किया। उमरिया जिले के माध्यमिक शाला केल्हारी के निरीक्षण के दौरान स्कूल में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में कक्षा पहली में एक भी छात्र उपस्थित नहीं रहने पर, स्कूल परिसर में गंदगी पाए जाने पर तथा शाला में अध्यनरत छात्रों का शैक्षणिक स्तर काफी कमजोर पाए जाने पर कमिश्नर ने शिक्षक मुकेश पटेल एवं शिक्षक जवाहर सिंह को तत्काल निलंबित करने के निर्देश अपर संचालक लोक शिक्षण को दिए, वहीं प्राचार्य

चैतन्य महाप्रभु को नोटिस जारी करने के भी निर्देश दिए। शासकीय माध्यमिक शाला केल्हारी में निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने कक्षा चौथी, कक्षा पांचवी, कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं से किताबें पढ़ाई किंतु छात्र-छात्राएं ठीक से किताब भी नहीं पढ़ पाएं। जिस पर कमिश्नर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। कमिश्नर ने कक्षा पांचवी के छात्राओं से 78 में 11 का भाग देने को कहा इस प्रश्न को कक्षा पांचवी के किसी भी छात्र-छात्राओं ने हल करके नहीं बताया। छात्र-छात्राओं के दयनीय शैक्षणिक स्तर पर कमिश्नर ने नाराजगी व्यक्त की। कमिश्नर ने स्कूल परिसर में गंदगी देखकर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा कमिश्नर ने टीचरों के साथ श्रमदान कर स्कूल परिसर की गंदगी भी साफ की।

लापता बालिकाओं को जबलपुर व भोपाल से किया दस्तयाब

कटनी। माधवनगर पुलिस ने लापता दो बालिकाओं को भोपाल और जबलपुर से सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया है। थाना प्रभारी अनूप सिंह ने बताया कि एसपी अभिजीत कुमार रंजन के निर्देशन, एडि एसपी डॉ संतोष डेहरिया, सीएसपी श्रीमती ख्याती मिश्रा के मार्गदर्शन में अपहत बालक/बालिकाओं की तलाश करने अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में, दिनांक 17.06.2024 को जबलपुर से एक अपहत युवती को दस्तयाब कर कानूनी प्रक्रियाओं के पश्चात उनके परिवार को सुरक्षित सुपुर्द किया गया। उक्त घटना दिनांक 16.03.2024 की है, जब उक्त बालिका बिना बताए घर से बाहर चली गई थी। तत्कालीन समय में काफी तलाश की गई थी, किन्तु सफलता नहीं मिली। लगातार प्रयासों के बाद जबलपुर शहर से बालिका को दस्तयाब कर लिया गया। इसी प्रकार, एक अन्य प्रकरण में, दिनांक 15.06.2024 को एक और अपहत युवती बिना बताए घर से कहीं चली गई थी। अथक प्रयासों के उपरांत, दिनांक 16.06.2024 को जिला भोपाल से उसे दस्तयाब कर लिया गया और कानूनी प्रक्रियाओं के पश्चात उनके परिजन को सुरक्षित सुपुर्द किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप सिंह ठाकुर के नेतृत्व में उनि प्रतीक्षा सिंह, सउनि राजेश सिंह, प्रधान आरक्षक कमलेश बैरागी, भुवनेश्वर बागरी और आरक्षक लोकेंद्र सिंह की अहम भूमिका रही।

गुरुकृपा मानस मंडली सिवनी रही प्रथम

राज्य स्तरीय मानस गायन प्रतियोगिता संपन्न

उमरिया। जिले के बिरसिंहपुर पाली नगर में स्थित मां बिरासिनी मंदिर प्रांगण में बीते 15 जून से आरंभ हुए तीन दिवसीय राज्यस्तरीय मानस गायन प्रतियोगिता का समापन पूरे भव्यता के साथ किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने पूजा आराधना कर कार्यक्रम की शुरुआत की वहीं क्षेत्र की प्रतिभाशाली प्रतिभागियों ने अपने कला हुनर का प्रदर्शन कर दर्शको का मनमोह लिया। समापन अवसर पर राज्य स्तरीय मानस गायन प्रतियोगिता में शामिल चयनित मानस कमेटियों प्रतिभाशाली विद्यार्थियों पत्रकारों और समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। बता दें कि आयोजन में अतिथियों ने चयनित मानस प्रतिभागी गुरुकृपा मानस मंडली सिवनी को प्रथम स्थान तुलसीकृत मानस मंडली कोरिया छत्तीसगढ़ को द्वितीय स्थान केशरी मानस मंडली किरनताल उमरिया को तृतीय स्थान प्रदान कर नगद राशि शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया वहीं विशेष पुरुस्कार हरिहर मानस मंडल सिवनी तुलसी मानस मंडल गुरुवा एकता मानस मंडल सिवनी मां बिरासिनी महिला मानस मंडल पाली श्री राम महिला मानस मंडल कछरवार उमरिया अखंड ज्योति मानस मंडल सिवनी नव ज्योति मानस महिला मंडल सिवनी को भी सम्मानित किया। साथ ही क्षेत्र के होनहार विद्यार्थियों को आयोजन समिति मां बिरासिनी रामायण कमेटी के द्वारा सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया गया जिसमें प्रमुख रूप से छात्र महेंद्र यादव आयुषी मिश्रा पारस नामदेव हर्षित पांडेय प्रशाली श्रीवास्तव प्रज्ञा शुक्ला आराध्या द्विवेदी हर्षिता पाठक समीक्षा श्रीवास्तव संगीता सुजाता सविता मंडल आदि को सम्मानित किया। आयोजन में नारीशक्ति को सशक्त बनाने और रोजगार के लिए प्रेरित करने वाले पार्षद प्रमिला जगवानी अंजू पटेल को प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। राज्य स्तरीय मानस गायन प्रतियोगिता के समापन अवसर में प्रमुख रूप से तहसीलदार सनत सिंह पॉवर प्लांट के मुख्य अभियंता शशिकांत मालवीय प्रकाश पालीवाल कौशल किशोर पाठक दिलीप खंडेलवाल संजीव खंडेलवाल सरजू प्रसाद अग्रवाल राजा दास सुरेंद्र मोटवानी सहित अन्य प्रबुद्ध नागरिक और मां बिरासिनी रामायण कमेटी के सभी पदाधिकारीगण शामिल रहे। उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय मानस गायन प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका पर मिठ्ठू लाल नामदेव मैहर हरिमोहन कुशवाहा प्रयागराज तेन सिंह रघुवंशी पाली प्रमुख रूप से शामिल रहे।

अतिथियों ने किया प्रतिभाओं को सम्मानित

33 वर्ष से हो रहा मानस का आयोजन

बता दें कि मां बिरासिनी रामायण कमेटी पाली के द्वारा बीते 33 वर्षो से मां बिरासिनी मंदिर प्रांगण में राज्य स्तरीय मानस गायन प्रतियोगिता का भव्य और सराहनीय कार्यक्रम किया जा रहा है जिसमें मध्यप्रदेश उत्तरप्रदेश छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिले से महिला एवम पुरुष मानस कमेटियां बड़े उत्साहपूर्वक इस आयोजन में शामिल होकर क्षेत्रवासियों को मानस का रसपान कराते है जिन्हें आयोजन समिति के द्वारा भोजन आवास सहित आवागमन की पूर्ण व्यवस्था निःशुल्क की जाती है। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय प्रशासन सहित नगरवासियों का भी सराहनीय योगदान होता है।

सिकल सेल बीमारी से बचाव के लिए जन जागरूकता आवश्यक: विधायक

उमरिया। विश्व सिकल दिवस के अवसर पर माननीय उपराष्ट्रपति डा जगदीप धनखड, राज्यपाल मंगू भाई पटेल, मुख्यमंत्री डा मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, प्रदेश के ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल तथा सासंद फग्गन सिंह कुलस्ते के आतिथ्य में राज्य स्तरीय कार्यक्रम डिडौरी जिले में आयोजित किया गया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम जिला चिकित्सालय उमरिया में क्षेत्रीय विधायक शिव नारायण सिंह के मुख्य आतिथ्य तथा कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनुजा पटेल, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर शिव गोविन्द मरकाम, एस डीएम कमलेश नीरज, मुख्य चिकित्सा एवं स्वाथ्य अधिकारी डॉ.आर.के.मेहरा, सिविल सर्जन डा के सी सोनी, जिला आयुष अधिकारी डा आर के सिंह, डी एच ओ डा संतोष चौधरी , धनुषधारी सिंह, शंभूनाथ खट्टर, सीएम फैलो, सहित सिकल सेल से चिन्हित मरीज एवं उनके परिवार जन, मीडिया से जुड़े लोग, स्वास्थ्य विभाग का अमला उपस्थित रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शिवनारायण सिंह ने कहा कि सिकल सेल बीमारी से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां अपनाने की जानकारी आमजन को दी जानी चाहिए, अभी तक इस बीमारी का उपयुक्त उपचार उपलब्ध नहीं है, चिकित्सकों की सलाह पर सभी को अमल करना चाहिए।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि सिकल बीमारी से पीडितो को शादी के समय सावधानी अपनाना चाहिए, बीमारी को छिपाने के बजाय शादी के समय सिकल सेल की जांच कराना चाहिए। सरकार ने रोगियों को निशक्त श्रेणी में रखकर सामाजिक न्याय की सभी आवश्यक सुविधायें देने के निर्देश दिए हैं। सभी चिन्हित रोगियों को निशक्त कार्ड दिए जा रहे हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष अनुजा पटेल ने कहा कि सिकल सेल संक्रामक बीमारी नहीं है, चिन्हित मरीजों से छुआछूत नहीं करना चाहिए। बल्कि उनका सहयोग करना चाहिए। सीएमएचओ डॉ. आर.के.मेहरा ने बताया कि इस अवसर पर सिकेल सेल बीमारी की जांच की जा रही है, जिन पंचायतों ने शत प्रतिशत जांच का लक्ष्य पूरा कर लिया है, उनके सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, सीएच ओ, आशा कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

सीएमएचओ डा मेहरा ने बताया कि एक लाख 11 हजार लोगों का टेस्ट किया गया है, जिसमें 2022 संवाहक तथा 316 मरीज हैं,। रोगियों के प्रमुख लक्षण जोडे एवं सीने मे दर्द, डिहाईड्रेशन, एनीमिया के कारण थकान, पेशाब करने मे परेशानी, इन्फ्रेशन और पीली त्वचा है । सिकल सेल से ग्रसित मरीज को जितना हो सके उतना पानी पीना चाहिए । रोजाना एक गोली फालिक एसिड पांच मिलीग्राम की अवश्यस लेनी चाहिए । इससे एनीमिया कम होगा और लाल कोशिका जल्दी बनेगी । उल्टी दस्त एवं देह से पसीना बहता हो तो डाक्टर से संपर्क करें । गुटखा, नशे की वस्तुओ से उपयोग से बचे । सिकल सेल के मरीजों को पूरा संतुलित भोजना करना चाहिए। एनीमिया के मरीजो को एक माह में हीमोग्लोबिन के स्त र और श्वेतत रक्तक कोशिका की गिनती कराते रहना चाहिए। सिकल सेल वाले मरीजो को धूप मे नही घूमना चाहिए । अधिक पीडा होने की स्थिति में घरेलू उपचार की बजाय डाक्टर को दिखाना चाहिए। इन पंचायतों में कांचोदर, महरोई,किरण ताल तथा तुम्मीछोट पंचायतें शामिल हैं। महरोई पंचायत की सरपंच ललिता सिंह, सीएच ओ पूर्णिमा बोपचे तथा आशा कार्यकर्ता को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम मे आयुष विभाग व्दारा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर मरीजों की जांच की गई एवं निषुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। शिविर में डाक्टर की डियुटी लगाई गई थी, जिनके व्दारा मरीजों का परीक्षण किया गया।

प्रधानमंत्री ने शहडोल जिले की कृषि सखी श्रीमती ममता सिंह बरगाही को सम्मानित

शहडोल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में जिले की कृषि सखी ममता सिंह बरगाही को कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यो के लिए सम्मानित किया। गौरतलब है कि जिले की आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र ग्राम कोलुहा ब्लॉक बुढार में रहने वाली ममता सिंह बरगाही स्व सहायता समूह से जुड़ कर कृषि सीआरपी का प्रशिक्षण प्राप्त कर प्राकृतिक खेती कर रही है। जिन्हें आज वाराणसी उत्तरप्रदेश में माननीय प्रधानमंत्री के कर कमलों से पुरस्कृत किया गया। ममता सिंह की पहले पारिवारिक स्थिति ठीक नही थी, मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत संचालित स्व सहायता समूह से जुड़ कर ममता सिंह ने कृधि सखी का प्रशिक्षण प्राप्त किया। वे स्वयं प्राकृतिक खेती करती है साथ ही अपने गाँव मे 145 महिलाओं को भी

प्राकृतिक तरीके से खेती करवा रही है। ममता सिंह बताती है कि प्राकृतिक खेती में देशी बीज को देशी पद्धति से उपचारित करके बोया जाता है, देशी खाद एवं जैविक कीटनाशक दवा घर मे ही बनाकर उपयोग करते है, जिससे लागत में खर्चा कम लागत है साथ ही रसायन के उपयोग से मुक्ति मिलती है। उंदंहम हैदराबाद की संस्था द्वारा हाल ही में मार्च में प्राकृतिक खेती विषय पर प्रशिक्षण दिया था जिसमे ममता सिंह द्वारा भी सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर सर्टिफिकेट प्राप्त किया था। वर्तमान में ममता सिंह अपने क्षेत्र में प्राकृतिक खेती करने हेतु प्रशिक्षण दे रही है एवं अपने घर मे जैविक संसाधन केन्द्र की भी स्थापना की है जिससे सभी को समय पर जैविक कीटनाशक प्राप्त हो सके। उक्त कार्य के लिए श्रीमती ममता सिंह बरगाही ने आजीविका मिशन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मनोज पुष्पगुच्छ, कलेक्टर तरूण भटनागर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश व आजीविका मिशन के अन्य अधिकारी को तहे दिल से धन्यवाद दिया।

उमरिया जिला भाजपा को प्रदेश नेतृत्व ने किया सम्मानित

उमरिया। प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार विगत दिनों हुई प्रदेश की बैठक में संगठन के आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों के लिए दिशा निर्देश प्राप्त हुए। प्रदेश द्वारा लोकसभा चुनाव उपरांत चुनाव की समीक्षा बैठक प्रदेश कार्यालय भोपाल में प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव , राष्ट्रीय सह संगठन शिव प्रकाश, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जमवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद कि उपस्थिति में जिले के लोकसभा चुनाव के परिणामों की समीक्षा की गई एवं जिले के 585 मतदान केंद्रों में से भारतीय जनता पार्टी ने 563 मतदान केंद्रों में जीत हासिल की, जिसको लेकर प्रदेश नेतृत्व द्वारा भाजपा जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे एवं उमरिया जिले के कार्यकर्ताओं के परिश्रम

की सराहना की गई। साथ ही इस रिकॉर्ड जीत के लिए जिले को प्रदेश नेतृत्व द्वारा सम्मानित भी किया गया, निश्चित ही यह जीत उमरिया जिले के आम जनमानस और कार्यकर्ताओं के परिश्रम की जीत है, भाजपा जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे ने कहा कि जिस प्रकार से चुनावी रणनीति तय कर सभी कार्यकर्ताओं को एक जुट करते हुए बूथ और शक्ति केंद्र की जिम्मेदारी दी गई, जिसका निर्वहन कार्यकर्ताओं ने पूर्ण मनोयोग से किया उसी का परिणाम है कि उमरिया जिला पूरे सांसदीय क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति पर था। उमरिया जिले का वोट शेयर भी बढ़ा है, पिछले चुनाव की तुलना में इस बार हमें लगभग 10 प्रतिशत से अधिक वोट शेयर का इजाफा हुआ है, उमरिया जिले से भाजपा को 60 प्रतिशत से अधिक मत प्राप्त हुए हैं। आगामी कार्यक्रमों के निमित्त संगठन की ओर से 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए जिला प्रभारी अरुण चतुर्वेदी सह प्रभारी बहादुर सिंह राजेंद्र कोल 23 जून डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मृति दिवस के लिए जिला प्रभारी अर्जुन सिंह सैयाम, सह प्रभारी राकेश द्विवेदी एवं सुमित गौतम 25 जून राष्ट्रीय आपातकाल दिवस के लिए प्रभारी धनुषधारी सिंह, सह प्रभारी इंद्रपाल सिंह एवं विनय मिश्रा को मनोनीत किया गया है। आने वाले दिनों इन सभी कार्यक्रमों में अपने-अपने स्थान पर सभी कार्यकर्ता इन कार्यक्रमों में सभी की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए कार्यक्रमों को सफल बनाएंगे।

खबर संक्षेप

सरपंच-सचिव की मिलीभगत अवैध निर्माण

मानपुर। जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत रोहनिया में सेक्रेटरी एवं सरपंच, इंजीनियर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सीईओ के द्वारा अवैध तालाब निर्माण कार्य कराया जा रहा हैं, जो कि मनरेगा के तहत है, जिम्मेदार अधिकारी कोई भी फोन नही उठाते, चोरी-चोरी तालाब निर्माण कार्य कराते है, कलेक्टर को लिखित शिकायत दी गई, उसके बाद बोला गया कि हमारे पास कोई परमीशन नहीं है, सरपंच के हौसले बुलंद है, प्रशासन चुप्पी साधे बैठी है, ग्राम रोहनिया में काफी दिन से भ्रष्टाचार चल रहा, कोई भी अधिकारी सुनने को तैयार नहीं हो रहे हैं।रोटी लोग कमाने के फेर में लोग ग्राम छोडक़र दूसरे शहर में मजदूरी करते है, लोगो को गांव में काम ना मिलने के वजह से दूसरे शहर में अपना जीवन यापन करते हैं, जिले के अधिकारी मिली भगत से चल रहा है, ऐसा भ्रष्टाचार आखिर कब तक चलेगा। पुरानी तालाबों को गहरीकरण करने को 10 तारीख से लेकर 16 तारीख तक का आदेश है, सचिव-सरपंच, जिला सीईओ, उपयंत्री मिलकर नए तालाबों को गहरीकरण कार्य कर रहे हैं।

जान से मारने की धमकी

सूत्रों से जानकारी मिल रही है की रोहनिया सरपंच अनिल सिंह, सचिव , उपयंत्री के हौसले इतनें बुलंद है कि वह कहीं भी कोई भी काम कराएं, उन्हें कोई बोलने वाला नहीं और तो और आदिवासी एक्ट में फंसाने की धमकी दी जा रहीं हैं, वहीं ग्राम पंचायत रोहनिया अंतर्गत निर्माण कार्य कराया जा रहा था, जब जेसीबी लगाकर निर्माण कार्य चालू किया गया। सरपंच अनिल सिंह के द्वारा आदिवासियों से अभद्र भाषण से गाली-गलौज करवा कर गांव से भगाने की धमकी दी जा रही है।

नपा राजस्व निरीक्षक नजूल की भूमि पर करवा रहा अतिक्रमण

उमरिया। जिला मुख्यालय में नगर पालिका द्वारा नियुक्त राजस्व निरीक्षक खुद विभिन्न वार्डों तथा समिति क्षेत्र में नजूल की भूमि पर अतिक्रमण करवा रहे हैं, बताया गया कि रामानंद तिवारी नामक राजस्व निरीक्षक लंबे अर्से से एक ही पद पर पदस्थ है और उनके खिलाफ शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करवाने और इसके एवरेज में लोगों से मोटी रकम लेने की शिकायत भी कलेक्टर को की गई है, लेकिन अभी तक इस मामले में कोई कार्यवाही होती नजर नहीं आ रही है।

दर्जनों भू-खण्डों का सौदा

राजस्व निरीक्षक रामानंद तिवारी के खिलाफ कलेक्टर को आधा दर्जन से अधिक शिकायतें पूर्व में भी दी जा चुकी हैं, बताया गया कि जब से उनकी पदस्थापन हुई है, तब से मुख्यालय के विभिन्न मार्गों और खासकर निकाय द्वारा निर्मित नालियों के ऊपर अतिक्रमण बड़ी तेजी से बढ़ा है, जिससे शहर की सुंदरता पर ग्रहण तो लगा ही है और आए दिन दुर्घटनाएं भी हो रही हैं , नगर परिषद के द्वारा सडक़ों के किनारे फुटपाथ की जमीन तथा पूरे मोहल्ले में खुलेआम अतिक्रमण हो रहा है।

पुलिस ने 211 गुमशुदा मोबाईल किये वितरित

शहडोल। पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक के नेतृत्व में 211 मोबाईल फोन बरामद किये गये, 19 जून को पुराने कंट्रोल रूम में आयोजित वितरण कार्यक्रम में कमिश्नर बी. एस जामोद, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डी. सी. सागर एवं पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक 211 आवेदकों को उनके गुम हुए मोबईत वितरित किये गए। पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को गुमशुदा मोबाइलों को खोजने के लिए निर्देशित किया गया था, साथ ही साइबर सेल को विशेष प्रयास करके गुम मोबाइल ढूंढने के लिए पाबंद किया गया है। पुलिस अधीक्षक की सतत रूप से मॉनीटरिंग, शहडोल पुलिस एवं सायबर सेल के लगातार प्रयास के चलते समस्त थानों एवं साइबर सेल के द्वारा 211 मोबाईल फोन को बरामद करने में सफलता मिली है। 19 जून को मोबाइल के वास्तविक स्वामियों के सुपुर्द किया गया।

देश भक्ति जन सेवा को कलंकित करती स्थानीय पुलिस

सट्टा, गंजा, कोरेक्स की गिरफ्त में फंसते जा रहे युवा वर्ग

गली से लेकर चौराहे तक सट्टे का कारोबार बुलंदी पर है। इन दिनों धनपुरी थाने के अन्तर्गत सट्टे के व्यापारियों के हौसले इतने बुलंद है कि उन्हें किसी भी प्रकार का, शासन प्रशासन का भय नहीं है। कोई होटल की आड़ में तो कोइ पान ठेले की आड़ में हाईटेक मोबाइल के माध्यम से अपने कारोबार को अंजाम दे रहा है।

धनपुरी।

इतना फर्क जरूर आया है कि पहले पर्ची कटती थी और पर्ची काटने वाले पकड़े भी जाते थे, अब पूरा कारोबार मोबाइल से होता है और मोबाइल तो हर किसी के पास है ऐसे में सटोरियों को पकड़ पाना कुछ कठिन हो गया है, कुल मिलाकर सट्टा पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुका है।नहीं किसी का डरजानकार सूत्रों की मानें तो धनपुरी थाने अंतर्गत आजाद चौक से लेकर कच्छी मोहल्ले व माइकल चौराहे, वार्डों तक दीपक की रोशनी से सट्टा युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है।कारोबारियो के हौसले इतने बुलंद है कि इन्हे न कानून का डर न ही किसी का भय है। जहां तक थाना पुलिस की कर्मठता का सवाल है, आए दिन अखबार व चैनलो के माध्यम से यह पता चलता है की सट्टा खिलाते एक युवक पकड़ाया, यहां सट्टा पकड़ा, वहां पकड़ा आदि। स्थानीय पुलिस छोटी छोटी मछलियों को पकड़ कर कार्यवाही में सुर्खिया बटोरते नजर आती है।छोटी मछलियों तक सीमित पुलिस अपना कोरम पूरा करने के लिए बीच-बीच में कार्यवाही कर अपना काम पूरा कर रही है लेकिन बड़ी कार्यवाही के अभाव में आज भी सट्टे के मगरमच्छ समाज को गंदा कर रहे हैं, पढ़ने वाले बच्चे अपराध के दलदल में फंस रहे हैं। ऐसे अपराधी कानून की पकड़ से दूर ही हैं। कार्यवाही न होने के कारण उनका व्यापार धड़ल्ले से फल फूल रहा है छोटी मछलियों को जाल में फंसा कर मगरमच्छ दिन दूनी, रात चौगुनी कमाई कर रहे हैं। प्रभावी अंकुश की मांगसूत्रों से जानकारी के अनुसार धनपुरी के अधिकांश वार्डो में मोबाइल के माध्यम से सट्टा खेलते हैं और लालच में आकर धीरे-धीरे इस खेल के आदी होते जा रहे हैं इन पर अभी कार्यवाही नहीं होती तो आगे चलकर बड़े अपराधी का रूप ले सकते हैं ऐसे समाज विरोधी कार्य बंद होना चाहिए। लेकिन देखा जा रहा है कि कुछ माहो से इस खेल की ओर लोगों का व युवा वर्ग का झुकाव अधिक देखा जा रहा है। नगर पत्रकार परिषद धनपुरी द्वारा मांग की जा रही है कि सट्टा के इस अंक गणित पर अंकुश लगना चाहिए जिससे समाज के युवा वर्ग इस दल दल में न फंसे। इसके लिए समाज के अच्छे लोगों को भी इस दिशा में आवाज उठाना पड़ेगा और विरोध के लिए आगे आना पड़ेगा जिससे सट्टा जैसे सामाजिक बुराई को दूर किया जा सके।

पार्षद ने तिलक लगाकर छात्र-छात्राओं का किया स्वागत

शहडोल। स्कूल चले हम अभियान के तहत शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोहागपुर शहडोल और प्राथमिक विद्यालय आदिवासी क्लब सोहागपुर में नगर पालिका परिषद शहडोल के पार्षद राकेश सोनी मुख्य अतिथि और समाजसेवी अनिल तिवारी (हिम्मू) के विशिष्ट आतिथ्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ । इस अवसर पर वार्ड पार्षद ने नव प्रवेशी छात्र-छात्राओ को तिलक लगाकर स्कूल मे प्रवेश करवाया तथा निःशुल्क पुस्तको का वितरण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान की देवी मां सरस्वती के तैल चित्र पर माल्यार्पण करके किया गया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्षद ने कहा कि जीवन में शिक्षा का सर्वाधिक महत्व है, शिक्षा से ही सफलता के द्वार खुलते है, इसलिए आवश्यक है कि सभी छात्र-छात्राएं मन लगाकर अपना अध्यापन का कार्य करें, और उच्च पदो पर पहुंचकर अपने माता पिता, गुरू , जिला एवं प्रदेश का नाम रोशन करें । उन्होने कहा कि नवप्रवेशी बच्चों के साथ, उनके अभिभावक और हम सभी उत्साहित हैं। यह बेहद महत्वपूर्ण अवसर है, जब कई बच्चे उत्तीर्ण होकर नई कक्षाओं मे जा रहे हैं वहीं अनेक बालक-बालिकाएं अपने प्राथमिक शिक्षा की शुरुआत करने वाले हैं। शिक्षा एक प्रकाश पुंज की भांति है, जो स्वयं प्रकाशित होकर समूचे वतावरण को रोशन करती है। उन्होने विद्यालय का महत्व बताते हुए समझाया कि समय के साथ अनुभव मिलता है परंतु दक्षता अध्यन से ही आती है । नगर के कई बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर, सी ए, यूपीएससी, एमपीपीएससी सहित अनेकों राष्ट्रीय परीक्षा में अपनी प्रतिभा का परिचाम लहरा रहे हैं । इस अवसर पर विद्यालय बालक सोहागपुर स्कूल की प्राचार्या डॉ.ममता तिवारी, प्रधानध्यापक संजीव कुमार असाटी, समस्त शिक्षक, स्टाफ, अभिवावक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय कवि डॉ.कुमार विश्वास आज करेंगे काव्य वर्षा

काव्य रसिक श्रोताओं को आनंदित करायेंगे विश्वास

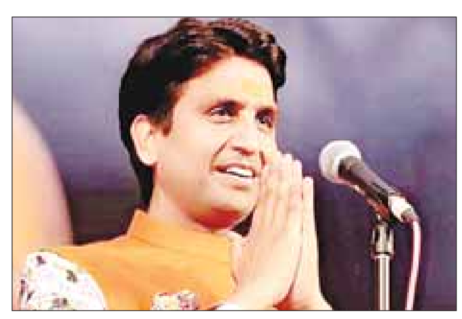

साहित्य एवं खेल अकादमी के बैनर तले होगा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन, तैयारियां पूर्ण

बुढ़ार ।

देश एवं विदेश में काव्यपाठ से अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त राष्ट्रीय कवि डॉ. कुमार विश्वास का शुभागमन बुढार नगर में पहली बार 20 जून को हो रहा है, और उनकी काव्यवर्षा तथा उनके द्वारा रचित श्रीराम कथा की रचनाओं का भरपूर लाभ नगर ही नहीं बल्कि संभाग के विभिन्न अंचलों के काव्य रसिक श्रोता भरपूर अर्जित हो सकेगा।

साहित्य एवं खेल अकादमी बुढार के बैनर तले शहडोल संभाग के बुढार नगर में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन के हो रहे आयोजन में ख्याति प्राप्त अंतरराष्ट्रीय कवि डॉ. कुमार विश्वास के काव्यपाठ तथा उनके द्वारा रचित श्रीराम कथा की रचनाओं का ऐतिहासिक लाभ राष्ट्रकवि डॉ. कुमार विश्वास के अति चहेते काव्य रसिक श्रोताओं को बुढार नगर के शासकीय महाविद्यालय ग्राउंड में 20 जून की रात्रि आयोजित भव्य कवि सम्मेलन में अर्जित हो सकेगा।

साहित्य एवं खेल अकादमी के संयोजन में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक कवि सम्मेलन के संदर्भ में आयोजन समिति के - बलमीत सिंह खनूजा, कमलेश शर्मा, हनुमान खंडेलवाल, भानू दीक्षित, सुजीत सिंह चंदेल, आयोजित कर कवि सम्मेलन के आयोजन संदर्भ में विस्तृतरूप से अवगत कराया।

कवि सम्मेलन के संदर्भ में आयोजन समिति के सम्मानित सदस्यों ने बताया कि - ख्याति प्राप्त कवि डॉ. कुमार विश्वास का शहडोल संभाग के बुढार नगर में काव्य पाठ हेतु काव्य रसिक श्रोताओं की चाह पर एक लंबे समय से प्रयास किया जाता रहा और इसमें समिति को यह सफलता मिली और राष्ट्रकवि के सुभागमन की स्वीकृति मिली, जो नगर के लिए अति उपलब्धि पूर्ण है। राष्ट्रीय कवि सम्मेलन के अवसर पर डॉ. कुमार विश्वास जी के साथ काव्य पाठ हेतु जाने-माने कवि - सुदीप भोला, दिनेश बावरा, कुशल कुशलेंद्र, डॉ. भुवन मोहिनी जी का भी आगमन हो रहा है जिनके काव्य रचना का भी भरपूर लाभ काव्य प्रेमियों को अर्जित हो सकेगा। कवि सम्मेलन को भव्य व एतिहासिक बनाये जाने आयोजन समिति के - बलमीत सिंह खनूजा, हनुमान खंडेलवाल, कमलेश शर्मा, सुजीत सिंह चंदेल, भानू दीक्षित, अरविंद नायक सहित साहित्य एवं खेल अकादमी के युवा उत्साही इन दिनों पूरे सक्रियता के साथ जुट गये हैं और काव्य प्रेमियों से कवि सम्मेलन का भरपूर लाभ अर्जित करने अपेक्षायें की है।

पहली बरसात में ही सडक़ों पर दिखा जलप्लावन

आवाजाही हुई दुश्वार, वर्षों में भी नहीं सुधरी सडक़ें

शहडोल।

नगरीय क्षेत्र की मूलभूत आवश्यकताओं से नगरपालिका ने वर्षों से मुंह फे र रखा है। जिसके कारण आज भी समय समय पर गंभीर समस्याएं उत्पन्न होती हैं। नगर मुख्य सडक़ों का जलभराव तो जैसे यहां का वर्षों पुराना और स्थाई संकट बन चुका है। नगरपालिका केवल सर्वे करती है और छुट्टी पा लेती है। नगर की बाजार में स्थित न्यू गांधी चौक मामूली सी बरसात में भी तालाब का रूप धारण कर लेता है और आने जाने वालों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बुधवार की दोपहर हुई मौसम की पहली बरसात ने वर्षों पुराना दृश्य पुनः पेश कर दिया। नगरपालिका महीनों से इस चौक में सुधार कराने की चर्चा कर रही है लेकिन आज तक कोई सुधार नहीं हुआ, जबकि इसके लिए फिर एक बार सर्वे कराया गया था।

गांधी चौक में हुई असुविधा

गांधी चौक की सभी सडक़ों पर लबालब पानी भर गया और एक छोर से दूसरे छोर तक तालाब जैसा दिखाई पडऩे लगा। इस बीच लोगों को आवाजाही करने में भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ा। विशेष रूप से पैदल चलने वालों को और बाइकर्स को। लोग पानी के छीटों से नहा गए। सडक़ों पर इतनी भी गुंजाइश नहीं रहती है कि लोग अगल बगल से निकल सकें। लोगों को पानी से ही गुजरना पड़ता है। नगर के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए तो ढोल पीटे जाते हैं लेकिन बरसात का मौसम आते ही विकास के सारे ढोल फट जाते हैं। गांधी चौक में पानी के निकासी की कोई जगह नही है। साथ ही चौक का निर्माण भी गलत तकनीक से कराया गया है।

जेल बिल्डिंग के समीप जलभराव

इसी तरह का हाल मेन रोड पर जेल बिल्डिंग के समीप भी देखा गया। यहां तो सडक़ ही जमीन की ओर धंस गई है। सडक़ पर गहरे गड्ढे निकल आए हैं जहां काफी दूर तक पानी भरा रहता है। बुधवार की दोपहर भी यही स्थिति निर्मित हुई और लोगों को आने जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इन मुख्य मार्गों का जल भराव स्थाई समस्या का रूप ले चुका है। नगरपालिका हर साल थोड़ी बहुत गिट्टी का चूरा डलवाकर छुट्टी पा लेती है। पूर्व कमिश्नर ने कई बार सडक़ों के सुधार के लिए निर्देशित किया था, लेकिन नगरपालिका के कानों में जूं नहीं रेंगी। नगरपालिका ने ऐसी मूलभूत और वर्षों पुरानी समस्याओं से सरोकार रखना शायद बंद कर दिया है।

बस्तियों का हाल बेहाल

मुख्य मार्गों का जब यह हाल है तो बस्तियों के अंदर क्या हुआ होगा यह सहज ही अनुमानित है। पहली बरसात ने ही पूरे बरसात के मौसम की तकलीफ का एहसास करा दिया। घरों के आसपास पानी का भराव देखा गया। ज्ञातव्य है कि प्रति वर्ष नगरपालिका वर्षा पूर्व सफाई अभियान चलाती रही है। लेकिन इस वर्ष उसे यह भी याद नहीं रहा। बस्तियों की सफाई और नालियों के मलबे हटाए जाने से वर्षा के पानी की निकासी सरलता से हो जाती है। लेकिन सफाई के बिना कचरों के अम्बार के कारण पानी रुकता है और घरों के आसपास तथा सडक़ों पर भर जाता है।

6 माह में भी बेजा कब्जे पर नहीं चला बुल्डोजर

अधिग्रहीत भूमि पर कर रहा व्यवसाय जांच से हुई पुष्टि

शहडोल। मुआवजा लेकर शासन की अधिग्रहीत भूमि पर व्यवसाय करने का मामला भले ही संगीन हो लेकिन प्रशासनिक अधिकारी इसके प्रति कतई संवेदनशील नहीं हैं। मेडिकल कालेज के समीप नेशनल हाइवे 43 की एक भूमि का मामला पिछले 6 महीनों से चल रहा है लेकिन आज तक इसमें कलेक्टर व एसडीएम ने कोई कार्रवाई नहीं की। केवल कछुआ चाल से कोरम पूरा किया जा रहा है। ज्ञातव्य है कि एमपीआरडीसी के वरिष्ठ अधिकारी ने जनवरी 2024 में एसडीएम को पत्र लिखकर कब्जा हटाने की मांग की थी। लेकिन उनका पत्र महीनों पड़ा रह गया और फिर कब्जे की पुष्टि करते हुए 15 मई को पटवारी प्रतिवेदन दिया गया। तब से एक माह और बीत गए लेकिन न बुल्डोजर चला और न कब्जा हटा।

डेढ़ करोड़ का लिया मुआवजा

मेडिकल कालेज चौक पर खसरा नंबर 371 की एक भूमि पर नीलेश सिंह नामक व्यक्ति का कब्जा था। हाइवे निर्माण के दौरान एमपीआरडीसी ने भूमि अधिग्रहीत कर उसे 1 करोड़ 51 लाख रुपए का मुआवजा दे दिया था। इसके बाद से उक्त भूमि स्वामी का कब्जा हट जाना चाहिए। लेकिन भूमि स्वामी ने शासन से धोखाधड़ी कर उसी भूमि पर दूकाने संचालित कर लीं। जिससे हाइवे पर दुर्घटनाओं का अंदेशा बढ़ गया है। भूमि स्वामी द्वारा सरेआम सडक़ पर अपराध किया जा रहा है और लोगों की जान जोखिम में डाला जा रहा है। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। यह प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता का ही नतीजा है।

पटवारी ने पंचनामा दिया

पटवारी को आदेश होने पर जब उसने मौका मुआयना कर शासकीय दस्तावेज का अवलोकन किया तो उसने पाया कि भूमि स्वामी ने मुआवजा लेने के बाद भी आराजी पर कब्जा बरकरार रखा है और उसमें दूकाने संचालित कर रहा है। उसने इस बात का मौका पंचनामा तैयार कर 15 मई को प्रस्तुत कर दिया है। यह भूमि स्वामी की हिमाकत और दुस्साहस ही कहा जाएगा जिसने शासन को इतनी बड़ी चुनौती दे डाली है, लेकिन अफसर हाकिम हैं कि उन्हे कोई फर्क ही नहीं पड़ रहा है। कलेक्टर तो निश्चिंत हैं ही एसडीएम के पास भी फुर्सत नहीं, जिन्हे कि एमपीआरडीसी की ओर से पत्र लिखकर आग्रह किया गया था।

बुल्डोजर चलना जरूरी है

भूमि स्वामी ने जिस तरह की अपनी अपराधवृत्ति का परिचय दिया है वह निश्चित ही दण्डनीय अपराध है। इस पर प्रशासन की सख्ती अति आवश्यक है। जिस भूमि पर पक्की दूकानें निर्मित कराई गईं हैं उस भूमि पर आनन फानन बुल्डोजर चला कर कब्जा खाली कराया जाना चाहिए तथा अतिक्रमणकारी को दण्डस्वरूप जेल भेजना चाहिए। ताकि उसका अनुकरण दूसरे लोग न कर सकें और उसे भी सबक मिल सके। यह मामला अब आइने की तरह साफ हो चुका है कि हाइवे की अधिग्रहीत भूमि पर नियमविरुद्ध व्यवसाय किया जा रहा है।

कोयलांचल में होगा आज अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

साहित्य एवं खेल अकादमी तैयारी की पूर्ण

शहडोल। अंतरराष्ट्रीय कवि कुमार विश्वास की कविता आज पूरे देश में जब भी कभी सम्मेलन का आयोजन होता है तो लोग गुनगुनाने को मजबूर हो जाते हैं, अब जब कुमार विश्वास शहडोल संभाग पहुंच रहे हैं, जहां पर वह नेहरू डिग्री कॉलेज मैदान में साहित्य एवं खेल अकादमी के तत्वाधान में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आज आयोजित होगा। इसमें श्रोताओं को उनकी कविताएं सुनने को मिलेगी, यही वजह है कि अब पूरे संभाग में इस कवि सम्मेलन को लेकर हर किसी में एक अलग ही उत्साह देखा जा रहा है।

आज गुरूवार को नेहरू डिग्री कॉलेज मैदान में शाम के 7 बजे के साथ ही अखिल भारतीय कवि सम्मेलन की शुरुआत हो जाएगी और इस आयोजन को लेकर हर किसी को बेसब्री से इंतजार है, यह पहला ऐसा मौका है, जब इतने बड़े आयोजन को लेकर साहित्य एवं खेल अकादमी आगे आया है और पिछले कई दिनों से अखिल भारतीय कवि सम्मेलन की तैयारी को लेकर दिन-रात जुटा था। अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन में शहडोल संभाग में पहली बार ऐसा होगा जब डॉक्टर कुमार विश्वास अपनी कविताओं से कार्यक्रम में मौजूद श्रोताओं को गुनगुनाने के लिए मजबूर करेंगे, वैसे भी अगर देखा जाए तो उनकी कविताओं को हर कोई पसंद करता है और अब जब वह मंच पर मौजूद रहकर अपनी कविताओं की रचना करेंगे तो, निश्चित ही मंच के सामने बैठे श्रोता भी पूरी तरह से उत्साहित होंगे। साहित्य एवं खेल अकादमी के सदस्य इस आयोजन को लेकर कई महीनो पहले से

तैयारी कर रहे थे और अब उनका यह प्रयास पूरी तरह से सफल होता हुआ भी देखा जा रहा है, वैसे भी अगर देखा जाए तो, इस कवि सम्मेलन को लेकर जिस तरह से पूरे संभाग में उत्साह देखा जा रहा है, उसे लेकर यह बात भी कहीं जा रही है कि इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रोताओं की उपस्थिति देखने को मिलेगी। साहित्य एवं खेल अकादमी के अध्यक्ष कमलेश शर्मा एवं बलमीत सिंह खनूजा, हनुमान खंडेलवाल, सुजीत सिंह चंदेल, भानू दीक्षित ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरूवार की शाम के कार्यक्रम की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। दूसरी तरफ जिस तरह से इस आयोजन को लेकर सभी का सहयोग मिल है, निश्चित है कि यह आयोजन ऐतिहासिक होगा, कार्यक्रम को लेकर तैयारी में कोई भी कमी नहीं की गई है। नेहरू डिग्री कॉलेज मैदान में कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों के लिए व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, वहीं उन्होंने इस बात को लेकर भी अपील की है कि कार्यक्रम में सभी समय पर पहुंचे ताकि किसी तरह की दिक्कत ना हो।

खबर संक्षेप

हल्की बूंदाबांदी से भीषण गर्मी से मिली राहत

अनूपपुर। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी व उमस से आम जनजीवन बुरी तरह बेहाल है जिससे आम लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है वही कड़ी धूप भी लोगों की मुश्किल बढ़ा कर रखे हुए है। इधर बुधवार की शाम कुछ समय लिए आकाश में बादल मंडराने के साथ ही हल्की तेज हवा चली व लाइटिंग के साथ हल्की बारिश हुई जिससे लोगों को कुछ समय के लिए राहत मिली लेकिन पानी पड़ना बंद होने के साथ ही फिर से उमस बढ़ गई।

कल उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित होगा दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अनूपपुर। दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि. अनूपपुर में प्रातः 6 बजे से 7:45 बजे तक विविध गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जिला आयुष अधिकारी डॉ. राजेन्द्र सिंह ने जिला मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों के लोगों से दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में सहभागिता की अपील की है। योग दिवस पर योग प्रशिक्षक द्वारा स्वस्थ जीवन के लिए योग क्रियाओं के संबंध में जानकारी देते हुए योगाभ्यास कराया जाएगा। जिले के विभिन्न विद्यालयों तथा स्थानों पर भी सामूहिक योग का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें जिलेवासियों से सहभागिता की अपील की गई है।

सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार के लिए 30 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

अनूपपुर। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा योजना अन्तर्गत जिले के उन्नत कृषि तकनीकों का उपयोग करते हुए सर्वोच्च उत्पादकता हासिल करने वाले कृषक एवं कृषक समूह को जिला स्तर व ब्लॉक स्तर पर सर्वोत्तम कृषक/कृषक समूह पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जिले के परियोजना संचालक आत्मा परियोजना एन.डी.गुप्ता द्वारा बताया गया है कि जिले में वर्ष 2023-24 में वैज्ञानिक पद्धतियों का उपयोग करते हुये प्राकृतिक कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, रेशम पालन एवं कृषि अभियांत्रकीय में उत्कृष्ट कार्य हेतु कृषकों/कृषक समूहों को पुरस्कृत किया जाएगा। इस हेतु जिले के समस्त उत्साही व प्रगतिशील कृषक अपने क्षेत्र अंतर्गत कार्यरत कृषि विस्तार अधिकारी या वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर आवेदन प्राप्त कर निर्धारित प्रपत्र में 30 अगस्त 2024 तक आवेदन कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा। किसान अधिक जानकारी हेतु विकासखण्ड स्तर पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय अनूपपुर, कोतमा, जैतहरी एवं पुष्पराजगढ़ एवं जिला स्तर पर कार्यालय परियोजना संचालक आत्मा जिला अनूपपुर में कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते हैं।

प्रबंधन की लापरवाही से फिर झुलसा एक मजदूर

जमुना/बदरा। एएसईसीएल के जमुना कोतमा क्षेत्र में कालरी मजदूरों के साथ अप्रिय घटना कम होने का नाम नहीं ले रहा है। 19 जून को सुबह करीब 6:40 बजे मजदूर भालूमाडा के रीजनल स्टोर के पास सब स्टेशन में योगधर पिता बिहारी उम्र 24 वर्ष जनरल मजदूर जो बिना सुरक्षा उपकरण के कार्य कर रहा था तभी उसे जोरदार करंट लग गया और वह बुरी तरह से जल गया। जिसका इलाज कोतमा कालरी चिकित्सालय में चल रहा है वह जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। इस पूरे मामले में प्रबंधन की लापरवाही सामने आई कि बिना सुरक्षा उपकरण के योगधर पिता बिहारी जनरल मजदूर को बिजली के कार्य पर क्यों लगाया गया। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग श्रम संघ प्रतिनिधियों के साथ भारतीय मजदूर संघ बीएमएस द्वारा की गई है।

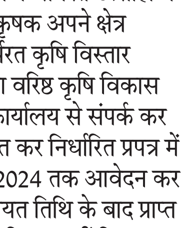

अनूपपुर के लाल ने किया कमाल, बनाया विश्व रिकॉर्ड

सबसे कम समय में सूर्य नमस्कार करने का विश्व रिकॉर्ड किया अपने नाम

7 मिनट 55 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ 7 मिनट 40 सेकंड में किया पूरा

प्राण पटेल ने 108 सूर्य नमस्कार कर कीर्तिमान किया स्थापित

कहते हैं किसी भी व्यक्ति मे प्रतिभा की कमी नही होती, बस प्रतिभा को दृढ़ इच्छाशक्ति से निखारने की जरूरत होती है और यही इच्छा शक्ति लोगों के बीच चर्चा का विषय तो बनती ही है बल्कि प्रेरणास्रोत भी बन जाती है। जिला मुख्यालय से सटे दुलहरा गांव निवासी प्राण पटेल ने अपनी प्रतिभा को न सिर्फदिखाया बल्कि औरों के लिए उनका जज्बा प्रेरणास्पद भी हो गया। विश्व योग दिवस के अवसर पर विजयनगर जबलपुर में आयोजित माय योग आयुर्वेदिक संस्थान के दो दिवसीय योग शिविर मे 28 वर्षीय प्राण पटेल ने सबसे कम समय में 108 सूर्य नमस्कार करने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर सबको चौंका दिया।

अनूपपुर

जिला मुख्यालय से महज 3 किलोमीटर दूर अनूपपुर नगर से सटे ग्राम दुलहरा निवासी ने वर्तमान में एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है जो अभी तक कोई नहीं कर पाया है। 16 जून विश्व योग दिवस के अवसर पर विजयनगर जबलपुर में आयोजित माय योग आयुर्वेदिक संस्थान के दो दिवसीय योग शिविर का समापन हुआ। इस अवसर पर 28 वर्षीय प्राण पटेल ने सबसे कम समय में 108 सूर्य नमस्कार करने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। प्राण पटेल ने पूर्व में स्थापित सूर्य नमस्कार 7 मिनट 55 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 7 मिनट 40 सेकंड में 108 सूर्य नमस्कार करने का रिकॉर्ड बनाया। यह कीर्तिमान मात्र जिले व प्रदेश का न होकर बल्कि पूरे विश्व के लिए अनोखा व ऐतिहासिक है और एक प्रेरणाश्रोत के रूप में उभरा है।

प्राण पटेल पिछले कई वर्षों से योग के प्रति समर्पित है। इस सफलता ने न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन में एक नया अध्याय जोड़ा है बल्कि अनूपपुर जिला नगर व संस्कारधानी जबलपुर को भी विश्व पटल पर एक नई पहचान दिलाई है। प्राण पटेल की इस सफलता के पीछे योगाचार्य केशव का महत्वपूर्ण योगदान है। योगाचार्य केशव प्राण पटेल को कई वर्षों से योग का प्रशिक्षण दे रहे थे उनके निर्देशन और मार्गदर्शन में ही प्राण पटेल ने यह असाधारण उपलब्धि प्राप्त की है। योगाचार्य केशव ने शिविर के दूसरे दिन हृदय संबंधी रोगों के लिए विशेष योगासन और डीप मेडिटेशन का अभ्यास कराया। इस विशेष सत्र में उपस्थित लोगों ने गहरे ध्यान का अनुभव किया और आत्मिक शांति का अनुभव किया मेडिटेशन के माध्यम से योगाचार केशव ने ध्यान और आत्मनिरीक्षण के महत्व को रेखांकित किया जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत उपयोगी है। माय योग आयुर्वेदिक संस्थान के इस शिविर में विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने भाग लिया और योग के महत्व को समझा। सूर्य नमस्कार में विश्व रिकार्ड बनाने वाले प्राण पटेल ने इस सफलता के लिए योगाचार्य केशव के साथ अपने बिग ब्रदर लाइफ कोच इंजीनियर रामानुज पटेल, डॉक्टर ज्वाला पटेल एवं तूफान पटेल को महत्वपूर्ण योगदान हेतु सहयोगी बताया है।

जिला चिकित्सालय में आयोजित किया गया जागरूकता कार्यक्रम

लघु नाटिका, गीत के माध्यम से छात्राओं ने दिया जागरूकता का संदेश

अनूपपुर

विश्व सिकल सेल दिवस पर जिला चिकित्सालय अनूपपुर के स्वसहायता भवन में जिला स्वास्थ्य समिति एवं जन स्वास्थ्य सहयोग गनियारी के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम प्रयास से आशा : व्यापक स्तर पर सिकल सेल जागरूकता विषय पर सिकल सेल एनीमिया जागरूकता कार्यक्रम जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह, अपर कलेक्टर अमन वैष्णव, नगरपालिका अनूपपुर की उपाध्यक्ष श्रीमती सोनाली तिवारी, पार्षद अनिल पटेल की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। जनजागरूकता कार्यक्रम के तहत शासकीय नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं द्वारा लघु नाटिका के माध्यम से सिकल सेल की बीमारी के संबंध में जानकारी दी गई तथा अंधविश्वास व चिकित्सकीय व्यवस्था के संबंध में प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने सिकल सेल जागरूकता पर तैयार गीत का प्रस्तुतिकरण किया।

सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता-प्रीति रमेश सिंह

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह ने कहा कि सिकल सेल की बीमारी की मुक्ति के लिए सभी के सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। स्वास्थ्य संस्थाओं में बीमारी को जानने के लिए स्वास्थ्य परीक्षण कराना आवश्यक है। जिससे लक्षण की पहचान होगी तथा प्रभावित व्यक्ति को स्वास्थ्य लाभ प्रदाय किया जाना आसान होगा। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग तथा स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम की सराहना की।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर अमन वैष्णव ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया एक अनुवांशिक बीमारी है। जिसका

ईलाज होने पर रोगी को खतरे से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि झाबुआ एवं रतलाम में इस रोग की बहुतायता के संबंध में उन्हें जानने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि रोगियों को लाभ देने के लिए राज्य शासन द्वारा भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। जिसमें सभी को अपनी सामूहिक जिम्मेदारी समझते हुए जागरूकता में मदद करनी चाहिए।

विस्तार से दी जानकारी

इस अवसर पर नगरपालिका की उपाध्यक्ष श्रीमती सोनाली तिवारी ने सिकल सेल जागरूकता के प्रयासों पर बल देते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। जिसका भविष्य में फायदा होगा। साथ ही समाज में सिकल सेल के प्रसार को रोकने में भी मदद मिलेगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ए.के. अवधिया तथा सिविल सर्जन श्रीमती अवधिया ने सिकल सेल के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 3 लाख 84 हजार लक्ष्य के विरूद्ध 2 लाख 37 हजार सिकल सेल जांच की गई है तथा सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन जांच एवं प्रबंधन के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन सिकल सेल नोडल डॉ. शिवेन्द्र द्विवेदी द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन जिला चिकित्सालय अनूपपुर की सिविल सर्जन श्रीमती अवधिया द्वारा किया गया। सिकल सेल से प्रभावित दो बेटियों द्वारा अपना अनुभव साझा किया गया तथा सरकार से प्राप्त सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया।

जिपं. अध्यक्ष व अपर कलेक्टर ने लिया जायजा

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्क्रीनिंग जांच एवं जागरूकता के लिए लगाई गई प्रदर्शनी का जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह, अपर कलेक्टर अमन वैष्णव, नगरपालिका अनूपपुर की उपाध्यक्ष श्रीमती सोनाली तिवारी, पार्षद अनिल पटेल ने अवलोकन किया तथा चिकित्सकों से सिकल सेल की जांच में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया की जानकारी ली तथा जांच प्रक्रिया देखी। विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर जिले के सभी सामुदायिक, प्राथमिक, उप स्वास्थ्य केन्द्रों में सिकल सेल की जांच की गई तथा पूर्व से चिन्हित रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए उन्हें औषधियों का वितरण कराया गया।

त्यागपत्र के बाद भी बैठक की सूचना देने पर पार्षद ने जताई नाराजगी

अनूपपुर। नगर पालिका परिषद अनूपपुर के सभापति सामान्य प्रशासन विभाग एवं पी.आई.सी.की सदस्यता से सुनीता (राधिका) बियानी ने 14 जून को त्यागपत्र दे दिया था, उसके पश्चात भी मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा प्रेसीडेंट इन काउंसिल की साधारण बैठक 20 जून को आयोजित किए जाने के संबंध में जानकारी भेजी गई। जिस पर वार्ड क्रमांक 12 की पार्षद सुनीता (राधिका) बियानी ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कलेक्टर एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को पत्र लिखकर स्मरण दिलाया कि 14 जून को मैंने अनूपपुर नगर पालिका परिषद के सभापति

सामान्य प्रशासन विभाग एवं पी.आई.सी. की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया था। उन्होंने कहा कि त्यागपत्र देने के दिनांक से मुझे पी.आई.सी.के सदस्य से मुक्त मानते हुये कार्यवाही की जाय एवं इस संबंध से संबंधित बैठक का पत्र प्रेषित न किया जाये।

1 से 19 जुलाई तक बिना अनुमति अधिकारियों के अवकाश पर प्रतिबंध

अनूपपुर। 16 वीं मध्यप्रदेश विधानसभा का तृतीय सत्र सोमवार 01 जुलाई 2024 से प्रारंभ होकर शुक्रवार 19 जुलाई 2024 तक चलेगा। जिसे दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने निर्देश दिए हैं कि विधानसभा प्रश्नों का जवाब समय पर भेजा जा सके, इसके लिए बिना उनकी अनुमति के कोई भी अधिकारी न तो अवकाश पर जाएंगे और न ही मुख्यालय छोड़ेंगे। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्राप्त विधानसभा प्रश्नों का जवाब समय पर तैयार कराकर उत्तर पोर्टल पर ई-उत्तर के माध्यम से संबंधित विभाग को भेजने के साथ ही उसकी एक प्रति कार्यालय कलेक्टर के अधीक्षक को भी उपलब्ध कराएं।

जोरों पर चल रहा खनिज पत्थर का अवैध धंधा

राजस्व भूमि की जमीन से अवैध तरीके से निकाले जा रहे पत्थर

अनूपपुर

जिले भर में पत्थर का अवैध धंधा जोरों पर चल रहा है। संचालित क्रेशरो के लिए कई जगह राजस्व भूमि की जमीन से अवैध तरीके से पत्थर निकाले जा रहे हैं। कभी ड्रिल मशीन के जरिए तो कभी ब्लॉस्ट कर पत्थरों को जमीन से निकाला जाता है। खदानों में ब्लास्टिंग जब होती है तो तेज कंपन से आसपास के घरों के दीवारें हिलने लगती हैं। छप्परो पर धूल के गुब्बार बेतहाशा धूल से लोग बीमार हो रहे हैं। रिहायशी क्षेत्र के आसपास संचालित क्रेशरो से आसपास के घरों के छप्पर पर धूल के गुब्बार देखे जा सकते हैं। कई जगह हालत ऐसे हो गए हैं कि इससे परेशान होकर ग्रामीण डर के साए में जीने को मजबूर हैं। हद तो यह है कि इतनी बड़ी समस्या को जिम्मेदार नजर अंदाज किए हुए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार जिम्मेदारों से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन इस पर रोक नहीं लगाई जा रही है। पत्थर के कारोबार से जुड़े कारोबारी जिले भर में मनमानी ब्लास्टिंग करा रहे हैं। पहाड़ी क्षेत्र और आदिवासियों की जमीन पर कब्जा कर ब्लास्टिंग कराई जा रही है।

राजस्व भूमि पर भी उत्खनन

राजस्व भूमियों पर भी दर्जनभर स्थानों से ज्यादा अवैध उत्खनन कर पत्थर निकाले जा रहे हैं। इन पत्थरों को क्रेशरो में भेज दिया जाता है। असुरक्षित ब्लास्टिंग से कई बार कई मजदूर घायल हो चुके हैं। फिर भी खदानों में ब्लास्टिंग होती है। यहां से पत्थर आसपास संचालित क्रेशरो में वाहनों से सैकड़ों ट्रिप भेजे जा रहे हैं। जिले भर के दर्जनों स्थानों पर अवैध उत्खनन ब्लास्टिंग धड़ल्ले से बेखौफ होकर किया जा रहा है सूत्रों की माने तो सुबह से लेकर देर रात तक पत्थरों का अवैध खनन परिवहन किया जा रहा है। जिले में संचालित कई क्रेशर संचालकों के पास अब तक जमीन की डायवर्सन, फीट पास, लीज, पर्यावरण, मेडिसिन, ब्लास्टिंग भंडारण आदि कागजात तक नहीं हैं। फिर भी क्षेत्र में कई क्रेशर संचालित हो रहे हैं।

ब्लास्टिंग के लिए कहां से आता है बारूद

सवाल यह उठता है कि पत्थरों में इस्तेमाल होने वाली ब्लास्टिंग के लिए बारूद कहां से आता है, स्टाक रूम कहां है, कुछ पता नहीं है। अवैध बारूद से कभी भी बड़ी घटनाएं घट सकती है। क्षेत्र में बेखौफ ट्रैक्टर लगाकर ड्रिल मशीन से सुरंग बनाकर ब्लास्टिंग कराई जाती है। जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। प्रभावित ग्रामीणों का आरोप है कि क्रेशर संचालकों के द्वारा अवैध रूप से पत्थरों का खनन किया जा रहा है। बड़े-बड़े ब्लास्टिंग करने से क्षेत्र के कई घरो में बड़े-बड़े दरारें आ गई है, ब्लास्टिंग और क्रेशर से उड़ने वाले धूल से भी लोग काफी परेशान हैं क्षेत्र के ग्रामीणों ने इसकी कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की, लेकिन किसी प्रकार के कोई भी कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश है।

प्रशासन को लेना चाहिए संज्ञान

ग्रामीणों की शिकायत है कि खनिज विभाग के संरक्षण के बगैर पत्थर का अवैध उत्खनन परिवहन संभव ही नहीं है। चर्चा है कि क्रेशर उद्योग के लिए जिन भूमियों पर पत्थर का उत्खनन करने की अनुमति ली गई है, उससे उलट मनमाने तरीके से भूमियों पर अवैध उत्खनन किए जा रहे हैं। खनिज विभाग के जिम्मेदारों से सांठ-गांठ कर प्रतिदिन शासन को लाखों का चूना लगाया जा रहा है, लेकिन खनिज विभाग के जिम्मेदारों की उदासीनता के कारण अवैध कारोबार को बढ़ावा मिल रहा है।

देर रात दो मकान में की तोड़फोड़, डीएफओ ने किया स्थल का निरीक्षण

6 घंटे से लापता हाथियों को सुरक्षा श्रमिकों ने खोज निकाला

अनूपपुर

जिले के जैतहरी, अनूपपुर तहसील अंतर्गत बैहार, ठेही, गौरेला, केकरपानी से बुधवार की सुबह 4 दिनों से निरंतर विचरण कर रहे दो नर हाथी ग्राम पंचायत पगना के बांका की बांस प्लांटेशन में विश्राम कर रहे हैं जिसे रात 12 के बाद से लापता होने पर वन विभाग के अंशकालीन सुरक्षाश्रमिकों ने बुधवार की सुबह खोज निकाला। मंगलवार एवं बुधवार की मध्यरात्रि दोनों नर हाथी ग्राम पंचायत बैहार के दुखवाटोला के समीप वन परिक्षेत्र अनूपपुर के औढेरा बीट अंतर्गत पीएफ 363 नागपानी में मंगलवार को पूरा दिन व्यतीत करने बाद देर शाम डालाडीह की सीमा से लगे जंगल में विचरण करते हुए ग्राम पंचायत गौरेला के ठेही ग्राम में स्थित आरदा नामक धार्मिक स्थल पर पहुंचकर स्थल के समीप निवासरत जयलाल पिता सुमेर सिंह के कच्चे मकान की दीवार अचानक पहुंचकर तोड़ दी। इस दौरान हाथियों को ग्रामीणों द्वारा वन विभाग की उपस्थिति में भगाए जाने पर ठेही गांव के ही निवासी सरदार नायक पिता कवंर नायक के मकान को तोड़कर बुरी तरह क्षतिग्रस्त करते हुए मकान के अंदर रखे विभिन्न तरह के अनाजों को अपना आहार बनाया। मकान की दीवार तोड़ने से दीवार का मलबा घर के अंदर की ओर गिरा जहां दो नाबालिग बच्चे फंसे हुए थे। हो-हल्ला, सायरन एवं अन्य माध्यमों से वन विभाग ने ग्रामीणों के सहयोग से हाथियों को रहवास क्षेत्र से खदेड़ा। जिस पर दोनों हाथी गौरेला गांव के बरटोला, बड़काटोला गौरेला की ओर से गौरेला- केकरपानी मुख्य मार्ग पर चलते हुए केकरपानी गांव के चिरईडोगरी पहाड़ में जंगल की ओर छिप गए जिनकी तलाश पूरी रात किए जाने पर भी नहीं मिल सके। जिन्हें दुधमनिया एवं औढेरा बीट के अंशकालीन सुरक्षा श्रमिको द्वारा संसाधनों की कमी होने के बाद भी अत्यंत खतरनाक तथा सबसे बड़ा वन्यप्राणी हाथी को सुबह होते ही दुधमनिया बीट के कक्ष क्रमांक 357 एवं 358 के कूप क्रमांक 3 में विचरण करते हुए खोज निकाला।

सुरक्षा श्रमिकों के पास नहीं आवश्यक सामग्री

ज्ञातब्य है कि वनविभाग की सबसे छोटी लेकिन सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण अंशकालिक सुरक्षाश्रमिकों को विभाग के द्वारा कपड़े, जूते एवं टॉर्च तक मुहैया नहीं कराई गई है जबकि बड़े-बड़े अफसर जो बड़े-बड़े वाहनों से चलकर हजारों रुपए की कीमतों के टॉर्च सिर्फ रात समय कुछ स्थलों पर हाथियों की निगरानी में रहते हैं जिनके पास ही उपलब्ध रहता है जबकि अंशकालिक सुरक्षाश्रमिक टॉर्च एवं जूता जैसी आवश्यक सामग्रियों के न होने पर भी मोबाइल की टॉर्च के सहारे हाथियों पर निगरानी रखते हाथियों के आगे एवं पीछे जंगल, पहाड़ एवं खेतों में चलने को मजबूर रहते हैं जिन्हें तत्काल संसाधन उपलब्ध कराने की अपेक्षा ग्रामीण द्वारा अनूपपुर डीएफओ से की गई है। इस दौरान अनूपपुर वन मंडलाधिकारी शुश्री श्रद्धा पेंद्रे ने ग्राम ठेही में देर रात पहुंचकर हाथियों के विचरण की स्थिति का जायजा लेते हुए ग्रामीणों से चर्चा की तथा वनविभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को ग्रामीणों की सुरक्षा करते हुए हाथियों पर निरंतर नजर बनाए जाने के निर्देश के साथ किसी भी अधिकारी/कर्मचारी द्वारा बरती जाने वाली लापरवाही पर कठोर कार्यवाही करने की बात कही है।